सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 114 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 28 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

आस्था वो पक्षी है जो सुबह अँधेरा होने पर भी उजाले को महसूस करती है।
–रबिन्द्रनाथ टैगोर

हरमनप्रीत की हैट्रिक से भारत का... 7 | युवा जोश उड़ाएगा बीजेपी का... 3 | इस बार थर्रा रहे दिल्ली वाले... 2

राहुल-तेजस्वी के बाद लालू के निशाने पर आए मोदी

राजद सुप्रीमो बोले- 4 जून के बाद जा रही बीजेपी सरकार

» अंतिम दौर के मतदान के चुनाव प्रचार में चले तीखे बयान

» इंडिया गठबंधन का दावा- यूपी-बिहार में आएगा तूफान उड़ जाएगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंतिम चरण में 1 जून को मतदान हैं। इस चरण के लिए प्रचार खत्म होने में मात्र दो दिन रह गए हैं। इस दौर में यूपी के पूर्वांचल व बिहार में चुनाव होने हैं। सत्ता में बैठी बीजेपी–राजग एलायंस व विपक्षी इंडिया गठबंधन ताबड़तोड़ रैलियां व रोड शो कर रहे हैं।

वहीं सभी बड़े नेता अपने भाषणों में जनता को रिझाने के लिए वादे कर रहे हैं। इसबीच नेता एक दूसरे पर हमला करने का मौका भी नहीं छोड़ रहे हैं। जहां कांग्रस नेता राहुल ने पीएम मोदी को घेरते हुए उन्हें कुछ लोगों के लिए काम करने वाला बताया है तो राजद सुप्रीमो ने कहा कि 4 जून के बाद मोदी गायब हो जाएंगे। उधर पीएम मोदी ने भी विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि विपक्ष जनता को गुमराह कर रही है।

समझ लीजिए मोदी अब गए : लालू

राजद प्रमुख लालू यादव ने पीएम मोदी पर बड़ा बयान दिया है। इसके साथ, उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि 4 जून के बाद महागठबंधन की सरकार बन जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी जी रिजल्ट के दिन सब पता चल जाएगा। लालू यादव ने कहा कि यह समझ लीजिए कि मोदी अब गए। नए बयान से बिहार में सियासत तेज होने की उम्मीद है।

भाजपा के प्रचार विज्ञापनों में मोदी को प्रधानमंत्री लिखने पर बरसीं ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोस चुनाव में पार्टी के अभियान के दौरान नरेंद्र मोदी को भाजपा नेता नहीं बल्कि प्रधानमंत्री करार दिए जाने पर आपत्ति जताई। मोदीजी को प्रचार करने का पूरा अधिकार है। लेकिन मैं यह देखकर आश्चर्यचकित हूं कि उनकी पार्टी के प्रचार विज्ञापनों में उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में संदर्भित किया गया है। उधर इंडिया ब्लॉक का दूसरा सबसे बड़ा घटक दल टीएमसी, राज्य में चुनाव के अंतिम चरण और चक्रवात रेमल के बाद राहत कार्यों के कारण 1 जून को दिल्ली में गठबंधन की आगामी बैठक में शामिल नहीं होने वाला है।

मैं गालीप्रूफ हो गया हूं : मोदी

लोकसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साक्षात्कार में कहा कि चुनाव हो या न हो ये लोग मानते हैं कि गालियां देना उनका अधिकार है। पीएम मोदी ने कहा कि वह अब गालीप्रूफ हो चुके हैं। संसद में हमारी पार्टी के सदस्य ने हिसाब लगाया, चुनाव हों या न हों ये लोग मानते हैं कि गालियां देने का हक उनका ही है। गालियां देना, अपशब्द बोलना उनके शायद स्वभाव में हो गया है। मुझे मौत का सौदागर और गंदी नाली का कीड़ा किसने कहा? प्रधानमंत्री ने बताया कि हिंदुस्तान के सभी राजनीतिक दलों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, कि लोकतंत्र में हमारी दुश्मनी नहीं होती है। अब सवाल ये हैं कि मैं मेरे संबंधों को संभालू या ओडिशा के भाग्य की चिंता करूं। तब मैंने रास्ता चुना की मैं ओडिशा के उज्जवल भविष्य के लिए अपने आप को खपा दूंगा। उसके लिए मेरे संबंधों की अगर मुझे बलि चढ़ानी पड़ेगी तो मैं तैयार हूं।

बिहार व यूपी में इंडिया गठबंधन का तूफान आ रहा : राहुल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बिहार के पटना साहिब संसदीय क्षेत्र के महागठबंधन प्रत्याशियो के पक्ष में चुनावी रैलियो को संबोधित करते हुए कहा, बिहार और उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन का तूफान आ रहा है। नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नही बनने जा रहे है। पीएम ने नोटबंदी-जीएसटी लागू करके रोजगार के रास्ते बंद किए और सेना में अग्निपथ योजना लागू करके जवानों को मजदूर बना दिया।

स्ट्रॉन्ग रूम में रखी ईवीएम मशीनों पर तगड़ी नजर : दिग्विजय

राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह ने जिस अंदाज से इस बार राजगढ़ लोकसभा का चुनाव लड़ा है। 77 साल की उम्र में वे अपने क्षेत्र में पैदल भी चले और बढ़ी सभाओं को दरकिनार करते हुए गांव-गांव में चौपाल लगाई। वहीं, ईवीएम पर सवालिया निशान खड़े करने वाले दिग्विजय सिंह स्ट्रॉन्ग रूम में रखी ईवीएम मशीनों पर तगड़ी नजर रखे हुए हैं और वे छोटी-छोटी बातों पर भी गौर करते हुए नजर आ रहे हैं।

केजरीवाल को लगा सुप्रीम झटका, जल्द सुनवाई से इनकार

» जमानत अवधि बढ़वाने की मांग के लिए शीर्ष कोर्ट में डाली थी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाले में जमानत पर बाहर चल रहे दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत अवधि बढ़वाने की याचिका पर जल्द सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि जब जस्टिस दत्ता की पीठ पिछले हफ्ते बैठी हुई थी, तब याचिका क्यों दायर नहीं की गई थी? दिल्ली सीएम ने स्वास्थ्य आधार पर अपनी जमानत अवधि को सात दिन बढ़वाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी, जिससे कोर्ट ने इनकार कर दिया। दिल्ली शराब नीति घोटाले में ईडी ने 21 मार्च को सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की, लेकिन हाईकोर्ट ने केजरीवाल को राहत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को केजरीवाल को 1 जून तक अंतरिम जमानत देने का आदेश दिया। कोर्ट ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए केजरीवाल को जमानत देते हुए कुछ शर्तें भी लगाईं और कहा कि केजरीवाल को एक जून को जेल वापस आना होगा। सीएम ने याचिका दायर कर उनकी जमानत की अवधि सात दिन और बढ़ाने की मांग की है। याचिका में कहा है कि उन्हें अपनी कुछ स्वास्थ्य जांच करानी हैं।

सोरेन ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

जमानत के लिए की अपील

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लंबे समय से भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। उन्होंने जमानत के लिए हाईकोर्ट का रुख किया। भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोरेन को 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। जेल में बंद सोरेन ने झारखंड उच्च न्यायालय से मामले की शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। पूर्व सीएम सोरेन की याचिका मंगलवार को सुनवाई के लिए जस्टिस रोंगोन मुखोपाध्याय की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध की गई है। सोरेन ने अदालत के समक्ष दलील दी कि बार्गेन सर्कल में 8.5 एकड़ जमीन के किसी भी दस्तावेज में उनका नाम नहीं है। कोर्ट ने ईडी से इस मामले में जवाब मांगा हैं।

अदालत ने धन शोधन मामले में सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर ईडी से जवाब मांगा

दिल्ली उच्च न्यायालय ने धन शोधन के एक मामले में जमानत (डिफॉल्ट बेल) देने का अनुरोध करने वाली, जेल में बंद पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब देने के लिए कहा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने ईडी को नोटिस जारी किया और उसे मामले पर एक स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा। अदालत ने जेल प्राधिकारियों से जैन का रिकॉर्ड भी मांगा और मामले पर अगली सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तारीख तय की। जैन पर कथित तौर पर उनसे जुड़ी चार कंपनियों के जरिए धन शोधन करने का आरोप है। उन्होंने निचली अदालत के 15 मई के आदेश को चुनौती दी है जिसमें उन्हें मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। जैन ने दलील दी है कि ईडी वैधानिक अवधि के भीतर सभी मामलों में जांच पूरी करने में नाकाम रही है और उन्हें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 167 (2) के प्रावधानों के तहत 'डिफाल्ट बेल' के उनके अधिकार से वंचित करने के प्रयास के तहत अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) दाखिल की गयी है जो पूरी नहीं है।

इस बार थर्रा रहे दिल्ली वाले : अखिलेश

बोले- हार देखकर लड़खड़ा रही है पीएम मोदी की जुबान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में रैली को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। पूर्व सीएम ने कहा कि गाजीपुर का उत्साह बता रहा है कि इंडिया गठबंधन के समाजवादी पार्टी प्रत्याशी अफजाल अंसारी जीत कर जा रहे हैं। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि ना केवल रिकॉर्ड मतों से जीत रहे हैं, गाजीपुर के लोगों के उत्साह के समाने दिल्ली से आने वाले थर्रा रहे हैं।

गाजीपुर से सपा ने अफजाल अंसारी को चुनावी मैदान में उतारा है। गाजीपुर की सभा के दौरान बलिया से सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय भी मौजूद रहे। अखिलेश ने कहा कि ये जो 4 सौ पार कह रहे थे ये 4 सौ हारने जा रहे हैं। आपने देखा होगा जो बहुत बड़ी बड़ी बात कहते थे, इधर उनका जो आत्मविश्वास लड़खड़ाया, उनकी जबान भी लड़खड़ा गई है। उन्होंने कहा कि जिस समय 2022 के चुनाव के पहले मैंने यहीं से रथ यात्रा शुरू की थी, जो सहयोग समर्थन आपसे मिला था मुझे नहीं पता था कि मुझे रात में चलना पड़ेगा, पूरा दिन पूरी रात चलकर लखनऊ पहुंचा था। फिर वही खबर मिली थी सरकार ने काले कानून वापस ले लिए थे। सपा नेता ने कहा कि सोचिए जिन्होंने कहा था किसानों की आय दोगुनी होगी वो नहीं हुई, हम अपने किसान भाईयों को कह के जा रहे हैं इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर हम इनका कर्ज माफ करेंगे और एमएसपी की कानूनी गारंटी देंगे। उन्होंने कहा कि इस सरकार में जितनी भी परीक्षाएं हुई, उन सब के पेपर लीक हो गए। नौजवानों की नौकरी तो छीनी ही छीनी है, नौजवानों का एक तिहाई जीवन बर्बाद करने का काम किया है।

रोटी की तरह जनता सरकार को भी पलटेगी : काजल निषाद

गोरखपुर लोकसभा से इंडिया गठबंधन की उम्मीदवार काजल निषाद ने कहा कि शरीर में आयीं तमाम दिक्क तों के बावजूद भी क्षेत्र में लोगों के बीच मिल रहे समर्थन के कारण वे चुनाव प्रचार में जुटी हैं। बीजेपी उम्मीदवार को लेकर उन्होंने बताया कि किशन फिल्मों में साड़ी पहनते हैं और हमेशा क्षेत्र की जनता के बीच से गायब रहते हैं। समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र की तारीफ करते हुए काजल ने दावा किया कि लोगों की उम्मीदें घोषणा पत्र से निश्चित रूप से जुड़ी हुई हैं। इस दौरान उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। सपा उम्मीदवार ने भरोसा जताया कि जनता रोटी की तरह इस बार बीजेपी की सरकार पलट देगी। गोरखपुर की सीट पर इंडिया गठबंधन की जीत को लेकर भी वे आश्वस्त दिखाई दीं।

140 करोड़ जनता भाजपा को 140 सीट के लिए भी तरसाएगी

यादव ने कहा कि वह (भाजपा) गुस्से का सामना नहीं कर सकती। देश की 140 करोड़ जनता भाजपा को 140 सीट के लिए भी तरसाएगी। उन्होंने दोहराया कि 'इंडिया' गठबंधन सरकार बनने के बाद अग्निवीर योजना समाप्त हो जायेगी और आयु सीमा बढ़ा दी जाएगी। यादव ने दावा किया, मोदी सरकार ने उद्योगपतियों का 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज माफ कर दिया है। 'इंडिया' गठबंधन सरकार किसानों का कर्ज माफ करेगी और उनके लिए एमएसपी लागू करेगी।

ओडिशा में बीजद 85 फीसद सीटें जीत रही : वी.के. पांडियन

» भाजपा के दावे को बताया हवा-हवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा में 15 लोकसभा सीटों और 105 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान पूरा होने के साथ सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया है कि वे सरकार बनाने के लिए पूर्ण बहुमत हासिल कर लेंगे। मुख्यमंत्री और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक के उनकी पार्टी के राज्य में स्थिर सरकार बनाने का दावा करने के एक दिन बाद उनके करीबी सहयोगी वी.के. पांडियन ने घोषणा की कि तीन चरणों के चुनाव के बाद पार्टी जिन सीटों पर चुनाव लड़ रही है उनमें से 85 प्रतिशत पर जीत हासिल करेगी।

पांडियन ने कहा, बीजद चुनाव में जीत हासिल कर रही है और तीन चरणों में जिन सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ रही है उनमें से वह 85 प्रतिशत सीटें जीतेगी। पांडियन ने कहा, "भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद और ओडिशा के लोगों के प्यार से चौथे चरण के मतदान में बीजद को और भी अधिक लाभ होगा।

दो-तिहाई बहुमत हासिल करके सरकार बनाएगी भाजपा : केवी सिंह देव

भाजपा की ओडिशा इकाई के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता के.वी. सिंह देव ने दावा किया कि भाजपा दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। भाजपा ओडिशा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करके सरकार बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही निमंत्रण दे चुके हैं। राज्य में भाजपा की सरकार बनने में कोई संदेह नहीं है। ओडिशा में 21 लोकसभा और 147 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहा है। पहले तीन चरणों का मतदान पूरा हो चुका है और अंतिम चरण में एक जून को मतदान होगा।

सपा छोड़ने के बाद अमित शाह से मिले पूर्व मंत्री नारद राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। बलिया जनपद में एक जून को सातवें चरण में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। सभी पार्टियों ने चुनाव जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मतदान से चंद दिनों पहले पूर्व मंत्री एवं पूर्वांचल के दिग्गज भूमिहार नेता नारद राय के भगवती तेवर ने सपा के माथे पर बल ला दिया है। सोमवार को अपने आवास पर बगावती बिगुल बजाने के बाद देर रात उन्होंने वाराणसी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

यही नहीं अमित शाह से मुलाकात करने वालों में सपा नेता एवं पूर्व विधायक राम इकबाल सिंह भी शामिल रहे। इन दोनों नेताओं के अपने समर्थकों के साथ जल्द ही भाजपा में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

समाजवादी पार्टी से नाता तोड़ने के बाद बलिया के कद्दावर नेता पूर्व मंत्री नारद राय और पूर्व विधायक राम इकबाल सिंह का एक फोटो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फोटो में सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और अन्य नेता भी हैं।

बिहार के लोग किसी से नहीं डरते : तेजस्वी

» बोले- हमारे भगवान कृष्ण का जन्म जेल में ही हुआ था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, बिहार के लोग किसी से नहीं डरते,एक 75 वर्षीय व्यक्ति (मोदी), 34 साल के व्यक्ति को जेल की धमकी दे रहा है। बिहार के लोग गुजरात के लोगों से नहीं डरते, बिहार के लोग किसी से नहीं डरते, हमारे भगवान कृष्ण का जन्म जेल में हुआ था जनता फैसला करेगी।

कांग्रेस नेता अंशुल अभिजीत जहां पटना साहिब लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं राजद नेता मीसा भारती पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र से तथा आरा से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के उम्मीदवार सुदामा प्रसाद महागठबंधन के उम्मीदवार हैं। पटना साहिब, पाटलिपुत्र और आरा सहित बिहार की बाकी बची कुल आठ लोकसभा सीटों पर एक जून को मतदान होगा।

म से मटन दिखता है लेकिन म से महंगाई नहीं

तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी के बिहार दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को पहले महंगाई डायन लगती थी अब महंगाई महबूबा हो गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले आते है तो म से मुसलमान म से मटन करते है लेकिन म से महंगाई उन्हें नजर नही आती। भाजपा ने असम, यूपी और एमपी के मुख्यमंत्रियों को भी बिहार में उतार दिया, लेकिन हम बिहार में अकेले ही मोर्चा संभाले हैं।

भाजपा हो जाएगा सफाचट..

तेजस्वी ने कहा कि यह तेजस्वी को जेल भेजने की गारंटी देते हैं पर तेजस्वी और राहुल नौकरी देने की गारंटी देते हैं। तेजस्वी ने चुटकी लेते हुए कहा कि मिजाज रखिए टना टन टना टन.. नौकरी मिलेगा फटाफट फटाफट.. बहनों के खाते में लाख रुपया जाएगा खटाखट खटाखट खटाखट.. भाजपा हो जाएगा सफासट.. कांग्रेस-लालटेन पर वोट मिलेगा ठकाठक ठकाठक.. आप मिजाज बुलंद रखिए।

संविधान बदलने वालों को बदलने का मन बना चुकी है जनता : नदीम जावेद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव नदीम जावेद ने कि इस बार चुनाव का फैसला संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के मुद्दे पर होना है। इसके संग काशी के लोगों की यह आवाज शामिल हो गई है कि क्योटो तो हमें मिला नहीं पर हमारी काशी को काशी तो रहने दो।

उन्होंने कहा कि संविधान ने देश में सबको बराबरी के लोकतांत्रिक हक दिए, जिस पर देश को फख्र है। उसमें संशोधन की जगह, उसे ही बदल डालने के घमंडी बयान जिन जिम्मेदार नेताओं ने दिए, उनसे जवाब तलब न तो चुनाव आयोग ने किया और न तो उनकी अपनी पार्टी ने। फलत: आम लोग डरे हुए हैं और वे संविधान बदल डालने वालों को ही बदल देने का मन बना चुके हैं। सायंकाल हुई सभा को कांग्रेस, सपा, आप, कम्युनिस्ट नेताओं के अतिरिक्त कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी संबोधित किया। इस दौरान साजिद अली, डॉ. प्रमोद पांडेय, सलमान बशर, सैय्यद हसन, लल्लू यादव मौजूद रहे।

युवा जोश उड़ाएगा बीजेपी का होश!

राहुल, तेजस्वी, अखिलेश, अभिषेक से लेकर उदयनिधि पर है नजर

- बीजेपी के सामने विपक्ष के ज्यादा युवा चेहरे
- बंगाल, बिहार, यूपी से लेकर तमिलनाडु तक में सक्रिय है युवा ब्रिगेड
- बिहार में बीजेपी पर तेजस्वी का सख्त प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 4 जून को चुनावी परिणाम आएंगे। उससे पहले 1 जून को अंतिम व सातवें दौर के चुनाव होने हैं। पहली जून को सातवें चरण में यूपी की 13 सीटों के लिए मतदान होना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाराणसी और सीएम योगी के गृहक्षेत्र गोरखपुर समेत वो सीटें शामिल हैं जिन पर एनडीए के सहयोगियों का प्रभाव हैं। ऐसे में इस चरण उनकी सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा होगी कि वे इस क्षेत्र में कितना असर दिखा पाते हैं। देश के लगभग विपक्ष का हर युवा नेता पीएम मोदी को घेरने में लगा है। देश भर में राहुल इनके अगुवा हैं। बिहार में मोदी से तेजस्वी, यूपी में अखिलेश, बंगाल में अभिषेक, झारखंड में कल्पना सोरेन, तमिलनाडु में उदयनिधि, आंध्र में जगन मोहन,कर्नाटक में प्रियांक लोहा ले रह हैं।

अब 4 जून को पता चलेगा की इन युवाओं के जोश को खुश करता या 73 वर्षीय पीएम मोदी के अनुभव को फिर ताज देता हे। क्यों कि इस पूर्र क्षेत्र गठबंधन ज्यादा मजबूती से लड़ रहा है। ऐसे में लोगों की चर्चा है इस चरण में राजग को नुकसान हो सकता है। कमोवेश देश के अन्य राज्यों में भी यही हाल है। विपक्षी गठबंधन व राजग गठबंधन में अंतिम चरण में कड़ी टक्कर तो दिखाई दे रही है साथ सभी दलों ने चुनावी प्रचार में भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडिया ब्लॉक पर मुजरा टिप्पणी के बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने पीएम को एक पत्र लिखा, जिसमें कहा गया कि चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान लोगों से कई आधारहीन, तथ्यहीन और झूठी बातें कही गई हैं। आगे पीएम पर निशाना साधते हुए यादव ने अपने पत्र में कहा, क्या इस बड़े दिल वाले देश के प्रधान मंत्री की भाषा ऐसी होनी चाहिए? तेजस्वी यादव ने दावा किया कि 4 जून को इंडिया गठबंधन (सत्ता में) आ रहा है और 4 जून को बीजेपी सत्ता से जा रही है। तेजस्वी यादव का ने कहा कि वह (पीएम मोदी) यहां आ रहे हैं और हमें धमकी दे रहे हैं कि वह हमें जेल भेज देंगे,क्या वह (पीएम मोदी) अदालत से ऊपर हैं, यह साबित हो गया है कि एजेंसियांअपने हिसाब से काम कर रही हैं उनके लिए...क्या एजेंसियों का कोई मूल्य नहीं है इसको छोड़ दो, उसको उठा लो, यही काम है पीएम मोदी का,इस व्यक्ति ने सभी सरकारी संस्थानों को नष्ट कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के रेल मंत्री के कार्यकाल में नौकरी के बदले भूखंड घोटाला का जिक्र करते हुए कहा था, ''जिन्होंने बिहार के गरीबों को लूटकर नौकरी के बदले जमीन लिखवाई है, उनके भी जेल जाने की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। जैसे ही हेलीकॉप्टर में चक्कर मारने का उनका समय पूरा होगा, जेल में जाने का समय तय हो जाएगा। तेजस्वी ने कहा कि ये बिहार है, झारखंड और दिल्ली नहीं। बिहार के लोग गुजरात के लोगों से नहीं डरते, बिहार के लोग किसी से नहीं डरते, हमारे भगवान कृष्ण का जन्म जेल में हुआ था। 75 साल का बुजुर्ग 34 साल के युवक को धमकी दे रहा है कि अगर तुमने हमें चुनाव में हराया तो हम तुम्हें जेल भेज देंगे,जनता फैसला करेगी। भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि इन लोगों (बीजेपी) को बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी जैसे मुद्दों पर बात करनी चाहिए. उन्हें इस पर बात करनी चाहिए कि बिहार में निवेश कैसे आये..पलायन कैसे रोका जायेजनता उनके झूठ और भ्रम से मुक्ति चाहती है।

बनर्जी ने डायमंड हार्बर में कराया विकास

महेशतला से तृणमूल के विधायक दुलाल दास ने कहा, अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में डायमंड हार्बर में विकास हुआ है। बेहतर सड़कों और स्वास्थ्य सुविधाओं से लेकर उन्नत शैक्षिक अवसरों तक हमारा काम खुद बोलता है। हमारे नेता ने इसे एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बनाने की कसम खाई है। मौजूदा लोकसभा चुनाव में डायमंड हार्बर लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। जहां बनर्जी का मार्क्सवाद कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रतिकुर रहमान और भाजपा के अभिजीत दास से मुकाबला है। दोनों विपक्षी दल इस क्षेत्र में हिंसा और अलोकतांत्रिक प्रथाओं का मुद्दा उठाते हैं। उन्होंने तृणमूल पर भय का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया हैं, जहां राजनीतिक असहमति होने पर हिंसा होती है और बड़े पैमाने पर चुनावी कदाचार होता है। भाजपा के अभिजीत दास ने कहा, तृणमूल अलोकतांत्रिक प्रथाओं के मॉडल का प्रचार कर रही है। जिस तरह से मतदाताओं को डराया जा रहा है वह लोकतंत्र में अस्वीकार्य है। यह विकास का मॉडल नहीं बल्कि हिंसा की प्रयोगशाला है। पिछले चुनाव में भाजपा को कुल मतों में से 4 फीसदी वोट मिले थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के बावजूद सत्तारूढ़ दल द्वारा भय का माहौल बनाया गया है।

बगांल में अभिषेक ने भाजपा को किया कंगाल

पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर लोकसभा सीट पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। कुछ दिनों से अपने तीखे प्रचार से उन्होंने बंगाल में भाजपा को परेशान कर रखा है ऐसा माना जा रही है उनकी ताबड़ तोड़ रैलियों के दम पर बीजेपी नेता उन पर हमलावर हैं। राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि अभिषेंक की वजह से बीजेपी वोटों के मामलेमें कंगाल हो सकती है। यहां तृणमूल कांग्रेस के सबसे प्रमुख नेता और मौजूदा सांसद अभिषेक बनर्जी लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं तो वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अभिजीत दास बॉबी पर अपना दांव खेला है। तृणमूल काग्रेस इस सीट को एक मॉडल निर्वाचन क्षेत्र बताती है वहीं, विपक्ष ने इसे हिंसा की प्रयोगशाला करार दिया है। मौजूदा लोकसभा चुनाव में यदि बनर्जी को 2019 से ज्यादा मत मिले तो यह उनकी साख को बढ़ाएगी और तृणमूल में उनके प्रभाव को ऐसे समय में मजबूत करेगी जब पार्टी के भीतर तेज मतभेदों के कारण के तापस रॉय और अर्जुन सिंह जैसे प्रभावशाली नेता और तीन साल पहले शुभेंदु अधिकारी जैसे दिग्गज नेता भाजपा में शामिल हो गए थे। कोलकाता और दक्षिण 24 परगना जिले के बीच स्थित डायमंड हार्बर तृणमूल कांग्रेस के लिए एक रणनीतिक गढ़ माना जाता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने एक रैली में दावा किया कि इस बार उन्हें अपने पिछले दो कार्यकाल से ज्यादा मत मिलेंगे। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा, डायमंड हार्बर में अभिषेक बनर्जी की निरंतर सफलता न केवल क्षेत्र में तृणमूल के प्रभुत्व को मजबूत करेगी बल्कि पार्टी के भीतर उनका कद भी बढ़ाएगी। जीत का बड़ा अंतर उनके नेतृत्व और विकासात्मक दृष्टिकोण को बताएगा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यदि तृणमूल में अभिषेक का कद बढ़ा है तो उसका कारण उनकी राजनीतिक रणनीति बनाने और लोगों का समर्थ पाना है। वे इस बात से सहमत हैं कि 2021 में उन्हें पार्टी का महासचिव बनाने और निर्णय लेने में उनके निर्विवाद रूप से बढ़ते प्रभाव ने वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग को नाराज किया। बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल डायमंड हार्बर को एकै मॉडल निर्वाचन क्षेत्रै के रूप में प्रचारित करने की कोशिश कर रही है। उनका मानना है कि यह ऐसा संसदीय क्षेत्र है जहां बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा में महत्वपूर्ण विकास हुआ है।जहां तृणमूल डायमंड हार्बर क्षेत्र में विकास के दावे करती ही तो वहीं विपक्ष ने इसे हिंसा की प्रयोगशाला करार दिया है। ऐसे में बनर्जी के पक्ष में मतदान करने वाले मतदाताओं का एक वर्ग प्रभावित हो सकता है।

भाजपा को सबक सिखाने का चुनाव : सुक्खू

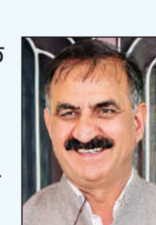

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा ने खरीद-फरोख्त करके सत्ता हथियाना चाही, लेकिन प्रदेश की जनता ने वोट देकर कांग्रेस की सरकार बनाई है और वोट का अधिकार सबको दिया है। आजादी के सात दशक और हजारों गुलामियों के बाद यह अधिकार आम जनता को मिला है और अब पहली जून को प्रदेश की जनता भाजपा को सबक सिखाएगी और इस बार जनबल जीतेगा और धनबल हारेगा। उन्होंने ऊना के झलेडा में राहुल गांधी की न्याय संकल्प सभा में संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव प्रदेश की सरकार को बचाने के लिए नहीं, बल्कि यह चुनाव भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को सबक सिखाने का है। उन्होंने कहा है कि जयराम ठाकुर कांग्रेस के ही विधायकों को चुराकर अब भगवान की दुहाई देते फिर रहे हैं, लेकिन जयराम ठाकुर यह बात गांठ बांध लें कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार साढे तीन साल अपने हर हाल में पूरा करेगी। इसलिए दो विधायकों को भी लोकसभा चुनावों में टिकट दिया है, जिसके चलते चार लोकसभा और छह विधानसभा उपचुनावों की सीटें कांग्रेस पार्टी की सरकार जीतेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री बनाने के लिए राहुल गांधी का भी आभार प्रकट किया और कहा कि सरकार ने अपने 15 माह के कार्यकाल में कई फैसले लिए हैं। युवाओं को रोजगार के अवसर दिए हैं। 1,36,000 कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम दी है और उनका बुढ़ापा सुरक्षित किया है। इतना ही नहीं बल्कि ऐसे बच्चों के लिए भी प्रदेश की कांग्रेस सरकार सहारा बनी है, जिनका कोई भी नहीं है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

इन मासूमों की मौत का जिम्मेदार कौन!

"दरअसल, दो दिन पहले गुजरात के राजकोट व दिल्ली में भीषण अग्नि कांड में कई लोगों की जलकर मौत हो गई जिसमे ज्यादा संख्या में बच्चे शामिल थे। हालांकि घटना के बाद सरकारों ने जांच की बात कह कर अपने कर्तव्य की इतीश्री कर ली। उधर कोर्ट ने इन मामलो में सरकारों की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए फटकार लगाई है।

गर्मी बढ़ते ही इससे जुड़े हादसों की बाढ़ आ जाती है। पर जो घटनाएं लापरवाही की वजह से होती हैं उनका क्या। सबसे विडंबना की बात यह है कि इन घटनाओं की वजह से जिन लोगों की जान जाती है वह ह्दय विदारक तो है ही साथ ही जिम्मेदारों के रवैये पर प्रश्न चिन्ह भी लगा देता है। सबसे बड़ा सवाल इनमें जो मासूम बच्चे काल के गाल में चले गए,उन मौतों का जिम्मेदार कौन है। दरअसल, दो दिन पहले गुजरात के राजकोट व दिल्ली में भीषण अग्नि कांड में कई लोगों की जलकर मौत हो गई जिसमे ज्यादा संख्या में बच्चे शामिल थे। हालांकि घटना के बाद सरकारों ने जांच की बात कह कर अपने कर्तव्य की इतीश्री कर ली। उधर कोर्ट ने इन मामलो में सरकारों की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए फटकार लगाई है। हालांकि राजकोट के गेम जोन' में आग लगने से 32 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने इसके छह साझेदारों और एक अन्य के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है और दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

उधर राजकोट अग्निकांड पर गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान गुजरात हाईकोर्ट ने नगर निगम को फटकार लगाई. सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा राजकोट गेम ज़ोन अनधिकृत परिसर में था। इसे सरकारी नियमानुसार नियमित करने की मंजूरी मांगी गई थी। अब हमें स्थानीय व्यवस्था और राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है। अदालत ने राजकोट नगर निगम से स्पष्टीकरण मांगा है। राजकोट नगर निगम ने कोर्ट में माना कि हां इस मुद्दे पर हमारी मंजूरी नहीं ली गई। इसपर हाईकोर्ट ने कहा कि क्या आप अंधे हो गए, 4 साल से चल रहा था तो क्या सो गए थे, क्या हम मान लें कि आपने आंखें मूंद लीं? आप और आपके अनुयायी क्या करते हैं? वहीं दिल्ली के विवेक विहार में बीते शनिवार की रात बेबी केयर न्यू बॉर्न अस्पताल में लगी आग को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। इस हादसे में सात मासूमों की मौत हो गई। हादसे के समय अस्पताल में कुल 12 नवजात भर्ती थे। पुलिस ने अस्पताल के मालिक नवीन कीची को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआत में लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की तो अस्पताल के संचालन में कई खामियां मिलीं। पुलिस ने इस आधार पर लापरवाही से मौत की जगह अब गैर इरादतन हत्या और गैर इरादतन हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। अब सवाल यह उठता है कई साल पहले उपहार कांड के दोषियों को सजा मिलने में सालो लग गए थे। इस बीच ऐसी कई घटनाएं हुईं पर न तो केंद्र सरकार न ही राज्य सरकारों द्वारा इस पर कोई ठोस रणनीति बनाई गई। अब सवाल उठता है कि इन मौतों का जिम्मेदार कौन है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

यात्रा कुप्रबंधन व जंगलों में आग की त्रासदी

रश्मि सहगल

उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार सूबे को दरपेश एक के बाद एक आपदाओं से सही ढंग से निपटने में सफल नहीं रही है। इसका नवीनतम उदाहरण है व्यापार-धंधे में खासी कमाई करवाने वाली प्रतिष्ठित चार धाम यात्रा, जिसके इंतजामों में भारी कोताही हुई है। इस वर्ष यात्रा की विधिवत शुरुआत 10 मई को हुई और अगले 10 दिनों के भीतर, प्रबंधों में कमी के कारण 45 से अधिक श्रद्धालु यात्रियों की मौत हुई और अनेकानेक जख्मी हुए। वर्ष 2023 की यात्रा में भी 200 से अधिक श्रद्धालु ऊंचाई से संबंधित स्वास्थ्य समस्या या भूस्खलन या अन्य कारणों से मारे गए थे। प्रशासन के पास 2024 की यात्रा की तैयारियों के लिए छह महीने से अधिक का समय हाथ में था क्योंकि अमूमन नवम्बर के पहले सप्ताह में चारों धामों के द्वार बंद कर दिए जाते हैं।

इस अवधि का उपयोग मूलभूत सुरक्षा उपायों को मजबूत करने जैसे कि धामों तक जाती पगडंडियों को चौड़ा करने, प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने और ट्रैफिक के सुचारु रूप से चलते रहने की कार्ययोजना बनाना इत्यादि में किया जाना चाहिए था। इसकी बजाय यमुनोत्री धाम में पहले ही दिन, जहां पर एक दिन में अधिक से अधिक 4500 लोगों को दर्शन करवाने की समर्था है, वहां लगभग 45000 पर्यटक दर्शनाभिलाषी तंग पगडंडियों पर दूर-दूर तक लगी लाइनों में खड़े नजर आए। उनकी जिंदगी और मौत के बीच खड्ड के किनारे लगी बांस की कमजोर रेलिंग थी। एक भी गलत कदम का मतलब था सैकड़ों फीट गहराई में जा समाना। यमुनोत्री जाने वाले मार्ग पर 45 किमी से लंबा जाम लगा था और यात्रियों की शिकायत रही कि उन्हें दर्शन के लिए 10-12 घंटे का इंतजार करना पड़ा। केदारनाथ का परिदृश्य भी अलग न था, वहां भी पहले दिन लगभग 80000 श्रद्धालु दर्शनों की चाह में पंक्ति में लगे थे। लेकिन मिली, भारी बर्फ और बारिश, जिस पर होटल वालों ने मुंहमांगे दाम मांगने शुरू किए जिसको चुकाना आम लोगों के बस में नहीं है।

बद्रीनाथ में भी हालत इसी प्रकार बदतर रहे। तीखी ठंड में श्रद्धालु रात 2 बजे से ही दर्शनों के लिए पंक्ति में लगे थे। जब आखिर में मंदिर के कपाट खुले तो प्रथम तरजीह वीआईपी दर्शन को मिलने लगी। नाराज यात्री सरकार विरोधी नारे लगाते हुए प्रदर्शन करने को मजबूर हुए। सोशल मीडिया पर दूर तक लगी सर्पीली पंक्तियों और गुस्साए यात्रियों की वीडियो की बाढ़-सी आ गई। तुर्रा यह कि सरकार ने यात्रा को बदनाम करने के लिए 'झूठी खबर' फैलाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दे डाली। स्थानीय लोग भी सोशल मीडिया पर आकर प्रशासन से यात्रियों के प्रवाह को नियंत्रित करने और उत्तराखंड में दाखिल होने वाले वाहनों की संख्या पर लगाम लगाने की दुहाई देने लगे। दरअसल, वाहनों से कराधान कमाने का वर्तमान मॉडल उनके लिए पर्यावरण की नई चुनौतियां बना रहा है। पर्यावरण सुरक्षा के लिए कूड़ा निस्तारण भी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है क्योंकि अधिकांश गंदगी हिमालय की ऊंचाई से शुरू होने वाली नदियों में डाली जा रही है। चार धाम यात्रा से पहले सूबे भर के जंगलों में अभूतपूर्व संख्या में आग लगी है, जिनमें बहुत बड़े वनीय भूभाग में स्थानीय और ओक के पेड़ों के जंगल स्वाह हुए हैं। नवम्बर, 2023 से ही जंगल में आग लगने का सिलसिला शुरू हुआ था। पिछली सर्दियों में बारिश और बर्फ का कम गिरना और इस साल गर्मियों में लंबे समय के सूखे के कारण पौड़ी गढ़वाल से लेकर केदारनाथ और बद्रीनाथ घाटी तथा कुमाऊं की पहाड़ियों तक के लगभग हर वनीय अंचल में आग फैलती चली गई। इसमें नैनीताल, भवाली और हल्द्वानी का इलाका भी शामिल है। यहां तक कि भीमताल, सत्तल से लेकर नेपाल की सीमा पर स्थित मुनसियारी तक भी आग फैली।

आग का धुआं इतना सघन था कि पिथौरागढ़ के नैनी-सैनी हवाई अड्डे से विमानन गतिविधियां रोकनी पड़ीं। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरें और भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा की गई तस्दीक के मुताबिक उत्तराखंड में कभी अत्यधिक सघन रहे वनीय भूभाग का लगभग 40 फीसदी भाग जलकर स्वाह हो चुका है। फिर भी राज्य सरकार सर्वोच्च न्यायालय को बता रही है कुल वनीय क्षेत्र का महज 0.1 प्रतिशत अंश ही प्रभावित हुआ है।

यह तो जब आग नैनीताल पहुंचने लगी तो भारतीय वायु सेना से अग्निशमन के सहयोग करने के लिए गुहार लगानी पड़ी। तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों आदि में चुनाव प्रचार करने में लगे मुख्यमंत्री धामी और वन मंत्री सुबोध उनियाल को तब वापसी करनी पड़ी जब सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य अधिकारियों को करारी फटकार लगाई। दुखद है कि इन अग्नि दावानलों ने हजारों झरनों को सुखा डाला है, जो कि स्थानीय लोगों के पेयजल के एकमात्र स्रोत थे।

संकट में ईरान के रहबर बने मोखबर

अरुण नैथानी

ईरान फिलहाल बड़े नेतृत्व व आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। यूं तो पहले से ही यह इस्लामिक देश अमेरिका और इस्राइल के निशाने पर रहा है। परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिये सख्त अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों से बचते-बचाते ईरान जैसे-तैसे अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश ही कर रहा था। मगर 20 मई के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी व विदेश मंत्री समेत कई महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौत, इस देश के लिये वज्रपात जैसी है। ऐसे में कार्यपालिका प्रमुख के रिक्त पद को भरना तात्कालिक चुनौती थी। ईरानी संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार विधिवत चुनाव होने तक उप-राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर देजफुली को ही राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दरअसल, ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद प्रधानमंत्री पद खत्म कर दिया गया था। फिर चुना गया राष्ट्रपति ही उपराष्ट्रपति का मनोनयन करता रहा है।

इस पद पर बैठा व्यक्ति लगभग प्रधानमंत्री जैसे कार्यपालिका के दायित्वों को निभाता है। उपराष्ट्रपति को शासन प्रमुख के निधन के बाद राष्ट्रपति की तमाम शक्तियां व दायित्व केंद्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद मिल जाते हैं। ईरानी संविधान के अनुसार पचास दिन के भीतर ही राष्ट्रपति का चुनाव संपन्न हो जाना चाहिए। दरअसल, मोहम्मद मोखबर एक उच्च शिक्षित तथा क्रांति के विचार पोषक रहे हैं। उन्हें आर्थिक मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। ऐसे वक्त में जब परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने की वजह से ईरान पर सख्त प्रतिबंध लगे हैं तो मोहम्मद मोखबर ने ईरानी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये भरसक प्रयास किये हैं। ईरान के खुजेस्तान प्रांत के देजफुल शहर में 1955 में जन्मे मोहम्मद मोखबर देजफुल को उपनाम उनके शहर के नाम पर ही मिला है। गंभीर धार्मिक रुझान वाले परिवार में उनके पिता इस्लामिक उपदेशक की भूमिका में भी रहे हैं। अपने शहर में आरंभिक शिक्षा हासिल करने के बाद वे उच्चशिक्षा के लिये अहवाज गए। बताते हैं कि उन्होंने इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के साथ ही प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री भी हासिल की।

बाद में मैनेजमेंट व आर्थिक विकास में डॉक्टरेट भी की। ईरानी मीडिया के अनुसार मोहम्मद मोखबर ने बाद में अंतर्राष्ट्रीय कानून में पीएचडी भी हासिल की। कालांतर में वे इस्लामिक क्रांति से जुड़े वैचारिक संगठनों से जुड़े रहे। जिसमें तत्कालीन सरकार के विरुद्ध सक्रिय मंसूरुन ग्रुप के सक्रिय सदस्य थे। फिर खुजेस्तान में इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड्स कोर में खासे एक्टिव रहे। उनकी सक्रियता ईरान-इराक युद्ध के दौरान भी रही। युद्ध के बाद वे कई बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शीर्ष पदों पर रहे। सीमित अंतराल के लिये खुजेस्तान के डिप्टी गवर्नर की भूमिका भी रही। आर्थिक व प्रबंधन में गहरी पकड़ के चलते मोहम्मद मोखबर को सिना बैंक व ईरान सेल कंसोर्टियम में निदेशक मंडल जैसे बड़े पद मिले। कालांतर में इस्लामिक गणराज्य की आर्थिकी रीढ़ कहे जाने वाली संस्था 'फरमान इमाम' के मुख्यालय के प्रमुख की नियुक्ति के रूप में बड़ी सफलता पायी।

दरअसल, 'फरमान इमाम' की स्थापना इस्लामिक क्रांति के सूत्रधार आयतुल्लाह खुमैनी की रणनीति के तहत हुई थी। इस संस्था और मोहम्मद मोखबर के कद का पता इस बात से पता चलता है कि कुछ साल पहले अमेरिका ने इन पर प्रतिबंध लगाए थे। दरअसल, इस संस्था के कब्जे में इस्लामिक क्रांति के बाद जब्त अरबों की संपत्ति है। जो सीधे ईरान के सर्वोच्च धर्मगुरु अयातोल्लाह खामेनई के सुपरविजन में संचालित होती है। इस संस्था की अकूत संपदा की किसी ईरानी विभाग द्वारा निगरानी नहीं हो सकती है और संस्था का दखल कई महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों में है। उल्लेखनीय है कि मोखबर डेढ़ दशक तक फरमान इमाम कार्यकारी अधिकारी रहे। दरअसल, ईरान के सुप्रीम नेता से करीबी संबंध और आर्थिक मामलों में गहरी पकड़ के चलते मोखबर ईरान के उपराष्ट्रपति बने थे। उन्होंने तमाम कट्टरपंथी नेताओं को मात देकर इस पद को हासिल किया था। वे जहां एक ओर सर्वोच्च धर्मगुरु अयातोल्लाह खामेनई के विश्वासपात्र रहे वहीं दिवगंत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के भी भरोसेमंद रहे हैं। दरअसल, ईरानी संविधान के अनुसार राष्ट्रपति ही उपराष्ट्रपति की नियुक्ति रता है, यह पद जनता द्वारा चयनित नहीं होता। यद्यपि वे पर्दे के पीछे से निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं, लेकिन उनकी आर्थिक नीतियों की सफलता को लेकर कई तरह के किंतु-परंतु होते रहे हैं। सवाल फरमान इमाम की आर्थिक नीतियों व काम करने के तौर-तरीकों तथा दर्जनों कंपनियों की मिल्कियत को लेकर भी उठते रहे हैं।

संस्था सेवा कार्यों के लिये बरकत फाउंडेशन तथा नॉलेज फाउंडेशन भी चलाती है। दरअसल, मोखबर तब भी सुर्खियों में आए थे जब कोरोना महामारी के दौर में बरकत फाउंडेशन के तत्वावधान में ईरानी वैक्सीन प्रोजेक्ट को सिरे चढ़ाने के प्रयास हुए थे। इन प्रभावशाली व बड़ी संस्थाओं में निर्णायक भूमिका के साथ ही वैक्सीन ने उन्हें देश में नायकत्व प्रदान किया। ईरानी सर्वोच्च धार्मिक नेता की सहमति से चली योजना को लेकर कई किंतु-परंतु भी सामने आए। मोखबर ने अपनी बेटी को पहली वैक्सीन लगाकर देश के लोगों का भरोसा हासिल करने का प्रयास किया। दरअसल, मोहम्मद मोखबर ने अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों से उपजे संकट से देश को बाहर निकालने का सतत प्रयास किया। कालांतर में उनके योगदान व अनुभव के चलते ही उन्हें रेजिस्टेंट इकॉनमी का सर्वेसर्वा बनाया गया। वहीं ईरानी सत्ता के सूत्रधारों के साथ बेहतर रिश्तों के चलते वे पर्दे के पीछे के खेल के मंजे खिलाड़ी भी माने जाते हैं। बहरहाल, हेलीकॉप्टर हादसे के बाद उन्हें ईरान में एक बड़ी जिम्मेदारी निभाने का मौका मिला है।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर...

वैशाख के बाद हिंदू नववर्ष का तीसरा महीना ज्येष्ठ मास शुरू होता है। मंगलवार का दिन बजरंगबली को समर्पित है लेकिन ज्येष्ठ के महीने में आने वाला हर मंगलवार हनुमान जी की पूजा के लिए पुण्यकारी बताया गया है। इन्हें बुढ़वा मंगल या बड़ा मंगल के नाम से जाना जाता है। बड़ा मंगल से हनुमान जी और श्रीराम से गहरा नाता है। इस दिन को हनुमान भगवान की पूजा के लिए सबसे सर्वश्रेष्ठ क्यों माना जाता है? और आखिरी इस दिन का महत्व क्या होता है? इस साल 2024 में चार बड़ा मंगल आएंगे। बड़ा मंगल में हनुमान जी के वृद्ध स्वरूप की पूजा की जाती है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बड़ा मंगल को बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसकी शुरुआत भी यहीं से हुई थी। आज ज्येष्ठ मास का पहला बड़ा मंगल है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बड़े मंगल का व्रत करने और विधि विधान के साथ हनुमानजी की पूजा करने से सभी कष्ट दूर होते हैं। इस दिन कुछ उपाय करने से हनुमानजी का आशीर्वाद प्राप्त होता है और आर्थिक समस्याएं भी दूर होती हैं।

कितने हैं बड़ा मंगल

पहला बड़ा मंगल - 28 मई
दूसरा बड़ा मंगल - 4 जून
तीसरा बड़ा मंगल - 11 जून
चौथा बड़ा मंगल - 18 जून

ऐसे हुई बड़े मंगल की शुरुआत

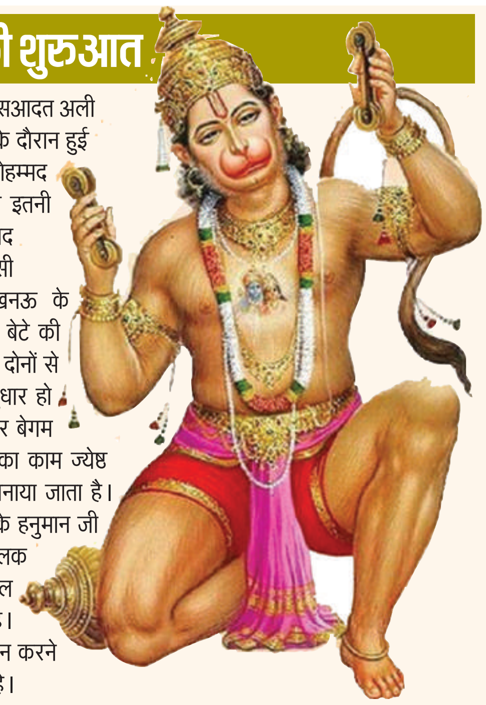

बड़ा मंगल मनाने की परंपरा नवाब सआादत अली के कार्यकाल (1798-1814) के दौरान हुई थी। एक बार नवाब के बेटे मोहम्मद अली शाह के बेटे की तबीयत इतनी बिगड़ गई कि तमाम इलाज के बाद भी वह ठीक नहीं हुआ तब किसी ने नवाब और बेगम को लखनऊ के अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर में बेटे की सलामती की दुआ मांगन को कहा। दोनों से ऐसा ही किया, बेटे की तबीयत में सुधार हो गया। संतान को आरोग्य की प्राप्ति होने पर बेगम ने मंदिर के निर्माण का वादा किया था। मंदिर का काम ज्येष्ठ महीने में पूरा हो गया, तभी से यहां बड़ा मंगल मनाया जाता है। मंगलवार के दिन स्नान करके हनुमान जी को रोली चंदन का तिलक लगाएं। हनुमान जी को लाल वस्त्र से अत्यधिक प्रेम है। इसलिए लाल वस्त्र का दान करने पर विशेष फल प्राप्त होता है।

बड़ा मंगल क्यों मनाया जाता है

पौराणिक कथा कहती है कि ज्येष्ठ के महीने में ही त्रेतायुग में भगवान राम की मुलाकात वीर बजरंगी हनुमान से हुई थी। इसलिए इस महीने के मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। इस दिन हनुमान जी पूजा करने वालों के बड़े से बड़े संकट टल जाते हैं। इस विशेष दिन पर, मंदिरों में कीर्तन आयोजित किए जाते हैं, एक धार्मिक भोज (भंडारा) आयोजित किया जाता है।

बड़ा मंगल पर क्या करें

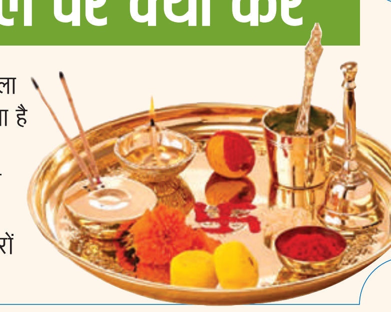

हनुमान मंदिर में जाकर बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और सुंदरकांड का पाठ करें। मान्यता है कि ऐसा करने से हनुमान जी आपके सारे संकट दूर करेंगे और आपके सभी काम पूरे होने लगेंगे। बड़ा मंगल के दिन हनुमान जी की पूजा के अलावा राहगीरों को पानी, शरबत पिलाएं।

पूजा का लाभ

संकट मोचन का पूजन करने से सारे संकट दूर हो जाते हैं। बड़े मंगल को व्रत रखकर हनुमान जी की पूजा अर्चना करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। बजरंग बाण का भी पाठ करना लाभकारी होता है।

हंसना मना है

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे, पति- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है, पत्नी-क्या गलतफहमी? पति- यही, कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है...

एक बार दो चूहे के बच्चे बाइक पर जा रहे थे...रास्ते में उन्हें शेर का बच्चा, मिला... उसने कहा मुझे भी बिठा लो, कुछ सोचने के बाद चूहे ने कहा...देख ले, वरना बाद में तेरी मम्मी बोलेंगी गुंडों के साथ घूमता है।

गणित की क्लास चल रही थी, टीचर ने पूछा- बताओ 1000 किलो = एक टन, तो 3000 किलो कितना होगा? पप्पू- जी सर....टन, टन, टन, टीचर को समझ नहीं आ रहा कि शाबासी दूं या क्लास से बाहर निकालूं।

एक लड़की को देखा तो ऐसा...लगा, दूसरी लड़की को देखा तो वैसा...लगा, और जब दोनों ने गाल पर थप्पड़ मारे...तो एक जैसा लगा....

बेटा बाप से- पापा से साढू का रिश्ता क्या होता है, बाप- बेटा जब दो आदमी एक ही कंपनी से ठगे जाते हैं तो साढू कहलाते हैं... तभी वहां मम्मी आ गई, बस फिर क्या है तब से मम्मी गुस्से से लाल हैं....और पापा डर के मारे पीले हो गये हैं।

कहानी | मां की महिमा

एक बार किसी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद जी से सवाल किया, दुनिया में मां की महिमा इतनी क्यों है और इसका कारण क्या है? इस सवाल को सुनने के बाद स्वामी जी के चेहरे पर मुस्कान फैल गई। इस सवाल का जवाब देने के लिए उन्होंने उस व्यक्ति के सामने एक शर्त रखी। विवेकानंद जी की शर्त के अनुसार उस व्यक्ति को 5 किलो के पत्थर को एक कपड़े में लपेट कर उसे अपने पेट पर 24 घंटे तक बांधना था और फिर स्वामी जी के पास जाना था। इसके बाद उसे अपने सवाल का जवाब स्वामी विवेकानंद जी से मिलना था। स्वामी जी के कहे अनुसार उस व्यक्ति ने एक पत्थर को अपने पेट पर बांधा और वहां से चला गया। अब उसे पत्थर बांधे-बांधे ही अपना सारा दिनभर का काम करना था, लेकिन उसके लिए ऐसा करना मुश्किल हो रहा था। पत्थर के बोझ के कारण वह जल्दी थक गया। दिन तो जैसे-तैसे गुजर गया, लेकिन शाम होते-होते उसकी हालत खराब हो गई। जब उससे रहा नहीं गया, तो वह सीधा स्वामी जी के पास गया और बोला, स्वामी जी मैं इस पत्थर को ज्यादा समय तक बांधकर नहीं रख सकता। सिर्फ एक सवाल का जवाब जानने के लिए मैं इतना कष्ट नहीं सह सकता। उस व्यक्ति की बात सुनकर स्वामी जी मुस्कुराते हुए बोले, तुम 24 घंटे भी पत्थर का भार संभाल नहीं सके और मां अपनी कोख में बच्चे को नौ महीने तक रखती है और सभी तरह के करती है। इसके बाद भी उसे जरा भी थकान महसूस नहीं होती। इस पूरे संसार में मां जैसा और कोई नहीं है, जो इतना शक्तिशाली और सहनशील हो। मां तो शीतलता और सहनशीलता की मूरत है। मां से बढ़कर इस दुनिया में कोई नहीं है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

वृषभ
राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क
राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

सिंह
आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा।

कन्या
यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

तुला
व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक
थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

धनु
शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

मकर
व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

कुम्भ
नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन
रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

छोटी फिल्मों का समर्थन करें कंपनियां : हुमा कुरैशी

कान्स फिल्म फेस्टिवल की चर्चा हर तरफ सुनने को मिल रही है। दुनिया के सबसे बड़े फिल्म फेस्टिवल में इंडस्ट्री के 2 स्टार्स ने अवार्ड्स अपने नाम करके इतिहास रच दिया है। फिल्म मेकर पायल कपाडिया और एक्ट्रेस अनसूया सेनगुप्ता को कान्स 2024 में पुरस्कार से नवाजा गया है। जिसको लेकर इंडस्ट्री की धाकड़ एक्ट्रेस हुमा कुरैशी का बयान सामने आया है। एक्ट्रेस ने छोटी फिल्मों के समर्थन के कंपनियों से आग्रह करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। हुमा की यह टिप्पणी अनसूया सेनगुप्ता के अन सर्टेन रिगार्ड सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ एक्ट्रेस का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनने और पायल कपाड़िया की ऑल वी इमेजिन एज लाइट को 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रां प्री जीतने के बाद आई है। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोर पर ऑल वी इमेजिन एज लाइट टीम की एक तस्वीर साझा की, जिसे कान फिल्म फेस्टिवल के दूसरे सबसे बड़े पुरस्कार ग्रां प्री से सम्मानित किया गया है। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन में लिखा, आप सभी पर बहुत गर्व है पायल कपाड़िया, कंटारी कनमानी, दिव्या प्रभा, छाया कदम। उम्मीद बरकरार है। इसके बाद हुमा ने एक पोस्ट लिखा, जिसमें कहा, कान फिल्म फेस्टिवल एक फिल्म फेस्टिवल है जहां कला का जश्न मनाया जाता है। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि इनमें से कुछ ब्रांड/कंपनियां सैकड़ों डॉलर खर्च कर ऐसे लोगों को भेजेगी जो छोटी और स्वतंत्र फिल्में बनाते हैं, बजाय इसके कि जिनका फिल्मों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे वास्तव में उन सभी अविश्वसनीय महिलाओं पर बहुत गर्व है जिन्होंने देश का मान बढ़ाया है! उन्हें और अधिक ताकत मिले।

फिल्म काकुड़ा में सोनाक्षी का दिखेगा अलग अंदाज

बॉलीवुड में एक्ट्रेस आलिया भट्ट, कृति सैनन, हुमा कुरैशी, दीपिका पादुकोण और तापसी पन्नू समेत कई एक्ट्रेसेस एक्टिंग के साथ-साथ प्रोड्यूसर भी बन चुकी हैं। लेकिन सोनाक्षी सिन्हा फिलहाल फिल्म प्रोडक्शन में उतरने की जल्दबाजी नहीं करना चाहती है। एक्ट्रेस ने हाल में अपने करियर को लेकर की फ्यूचर प्लानिंग का खुलासा किया।

सोनाक्षी फिलहाल अपना ज्यादा से ज्यादा समय एक्टिंग और डिजाइनर नाखूनों के बिजनेस को दे रही हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि अभी वो इन दो चीजों पर ही ध्यान देना चाहती हैं। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'फिलहाल मेरे पास जिस तरह के ऑफर आ रहे हैं, तो मैं एक्टिंग और अपनी नेल्स (नाखून) कंपनी चलाने में व्यस्त हूं। मेरी सारी एनर्जी इन्हीं दोनों में जा रही है। सोनाक्षी सिन्हा कई फिल्मों में अलग-अलग तरह के रोल में नजर आ चुकी हैं। लेकिन संजय लीला भंसाली की हीरामंडी उनके करियर के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हो रही है। सीरीज में सोनाक्षी का डबल रोल दिखाया गया है। पहले किरदार में वह मल्लिकाजान की बड़ी बहन बनी होती है, तो दूसरे में उनकी बेटी फरीदन। फरीदन के किरदार में एक्ट्रेस को दर्शकों ने काफी पसंद किया है।

सोनाक्षी ने करियर के बारे में बात करते हुए कहा कि फिलहाल मुझे जिस तरह के ऑफर मिल रहे हैं, मैं बहुत खुश हूं। मैं अच्छे काम चुनना और करना चाहती हूं। मेरे पास फिल्में प्रोड्यूस करने के लिए टीम के साथ बैठने और स्क्रिप्ट पर काम करने का जरा सा भी टाइम नहीं है। मैं आधे दिल से कोई काम नहीं करूंगी।' सोनाक्षी आगामी दिनों में फिल्म काकुड़ा में नजर आएंगी।

महिलाओं के दर्द और संघर्ष को बयां कर रही फिल्म हमारे बारह

राधिका जी फिल्म्स दर्शकों को अपनी आने वाली रिलीज, हमारे बारह के साथ उत्तेजित करने वाली है। अन्नू कपूर, मनोज जोशी और परितोष त्रिपाठी जैसे दिग्गजों और टैलेंटेड कलाकारों से सजी यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चा में है।

हाल ही में फिल्म के शानदार पोस्टर रिलीज़ होने के बाद, टीज़र और ट्रेलर के लिए एक्साइटमेंट बढ़ गई है। बड़ी डिमांड को देखते हुए फिल्म के मेकर्स राधिका जी फिल्म्स ने अब एक दमदार टीज़र रिलीज़ किया है, जो एक लंबे समय तक रहने वाला प्रभाव छोड़ने का वादा करता है।

हमारे बारह देश में बढ़ रहे जनसंख्या के मुद्दे पर रोशनी डालती है। इसके साथ ही यह फिल्म एक ऐसी कहानी पेश करती है, जो सामाजिक मानदंडों को चुनौती देती है। अन्नू कपूर की शानदार परफॉर्मेंस और

फिल्म का टीज़र रिलीज

अश्विनी कालसेकर, अभिमन्यु सिंह के अलावा दूसरे कलाकारों के सपोर्ट से जबरदस्त बनाए गए इस टीजर में शक्तिशाली संदेश, शानदार नरेशन और अच्छी तरह से किया गया एक्जिक्यूशन है। एक बोल्ड और बड़ा कदम उठाते हुए, हमारे बारह फिल्म एक संवेदनशील और जरूरी विषय पर बात करती है, जो हर किसी को प्रभावित करने वाली है। यह फिल्म महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले संघर्षों को उजागर करने के साथ उनके द्वारा मुश्किल घड़ी को झेलने की शक्ति पर भी रोशनी डालती है।

अजब-गजब | कैम्ब्रिज विवि में पढ़ाई के दौरान मिला था यह प्रोजेक्ट

ब्रिटेन में महाराजा प्रिंस चार्ल्स की बनाई बकरी, अब 10 लाख में होगी नीलाम

बच्चे स्कूल प्रोजेक्ट में कई बार ऐसी चीजें बना देते हैं कि बड़े से बड़े लोग भी वैसा नहीं सोच पाते। इसीलिए कई बार उनकी कल्पनाओं के आधार पर बड़े प्रोजेक्ट बन जाते हैं। लेकिन ब्रिटेन में एक यूनिक स्कूल प्रोजेक्ट इन दिनों चर्चा में है। दरअसल, एक बच्चे ने स्कूल में बकरी बनाई, जो अब नीलाम होने जा रही है। इस बकरी की कीमत 10 लाख रुपये रखी गई है। नीलामीकर्ताओं को उम्मीद है कि नीलामी में शायद इससे भी ज्यादा कीमत मिल सकती है।

चौंकिए मत, यह प्रोजेक्ट ब्रिटेन के महाराजा और तत्कालीन प्रिंस चार्ल्स ने अपने स्कूली दिनों में बनाया था। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान उन्हें यह प्रोजेक्ट दिया गया था। उन्होंने अपने हाथ से मिट्टी की यह बकरी तैयार की थी और उसे अपने ही हाथों से पेंट किया था। उनके राजा बनने के बाद यह भूली-बिसरी चीज बेशकीमती संपत्ति बन गई। एक्सपर्ट के मुताबिक, उस वक्त वेल्स की रॉयल रेजिमेंट का शुभंकर बकरी हुआ करती थी, शायद वहीं से चार्ल्स को प्रोजेक्ट में बकरी बनाने का आइडिया आया होगा। यह उनके द्वारा तैयार एक मात्र मूर्ति है। इसलिए नीलामी में इसकी कीमत 12000 डॉलर यानी तकरीबन 10 लाख रुपये

लगाई गई है। एक्सपर्ट का मानना है कि शायद दुनिया में यह अकेला स्कूल प्रोजेक्ट होगा, जिसकी कीमत इतनी ज्यादा लगाई गई है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, कैम्ब्रिज में रसोइया के तौर पर काम करने वाली एक महिला के हाथ यह मूर्ति आई थी। जिसने अपने 21वें जन्मदिन पर अपने भतीजे को इसे गिफ्ट किया था। ब्रिटिश कोलंबिया में रहने वाले पैटन अब 76 साल के हैं। जब चार्ल्स राजा बने तो पैटन ने नीलामीकर्ताओं से संपर्क किया। उन्हें इस बकरी के बारे में बताया। इसके बाद अगले हफ्ते इसे नीलामी के लिए रखा जाएगा। पैटन ने बताया, मेरी चाची नेली हेलेन पैटन ने मुझे 22 जून, 1969 को यह बकरी दी थी। उन्होंने बताया था कि प्रिंस चार्ल्स ने इसे बनाया है। उन्हें इस बात पर गर्व था कि 1960 के दशक के आखिर में प्रिंस चार्ल्स कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। उस वक्त वो क्रींस कॉलेज के अध्यक्ष के लिए रसोइए के तौर पर काम करती थीं।

पैटन ने कहा, मुझे लगता है कि मेरी चाची राजा चार्ल्स को व्यक्तिगत तौर पर जानती थीं। उन्हें शाही परिवार के सदस्यों की सेवा करने का सम्मान मिला। उन्होंने रानी के लिए खाना पकाया। मैंने पूरी जिंदगी बकरी को संभाल कर रखा। प्रिंस चार्ल्स ने 1967 में ट्रिनिटी कॉलेज कैम्ब्रिज से आर्कियोलॉजी और हिस्ट्री की पढ़ाई की। वे ब्रिटिश शासन के पहले उत्तराधिकारी थे जिन्होंने विश्वविद्यालय की डिग्री हासिल की थी। नीलामीकर्ता हैन्सन्स ऑक्शनियर्स के मालिक चार्ल्स हैनसन ने कहा, हम इस शाही खोज को पाकर रोमांचित हैं। रेमंड ने इसके ऐतिहासिक महत्व के कारण अब इसे बेचने का फैसला किया है। हम चाहते हैं कि आगे कोई और इसका ख्याल रखे। हमें उम्मीद है कि इसकी कीमत 12,600 डॉलर से ज्यादा होगी।

यहां है दुनिया की सबसे छोटी जेल! 168 साल पहले हुआ था निर्माण

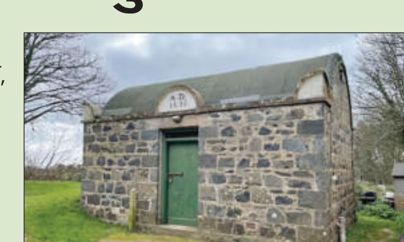

जब कारागृहों की बात होती है तो आपके जहन में तिहाड़, या येरवडा जेल जहन में आता होगा, जो इतने बड़े हैं कि वहां हजारों कैदी हैं। सेंट्रल जेल की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार तिहाड़ जेल में 10,026 कैदियों के रहने की जगह है, मगर असल में उस जेल में 19,500 कैदी रहते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया की सबसे छोटी जेल कहां है? ये जेल ब्रिटेन के सबसे छोटे आइलैंड पर बना है। ये इतना छोटा है कि इसमें सिर्फ दो कैदियों के रहने की जगह है और ये 168 साल पहले बनाया गया था।

इंग्लिश चैनल में मौजूद सर्क आइलैंड पर बनी सर्क जेल को दुनिया की सबसे छोटी जेल माना जाता है। इसका निर्माण 1856 में हुआ था। इसमें सिर्फ 2 ही कैदी रह सकते हैं। तब से लेकर अब तक इस जेल में कोई खास बदलाव नहीं हुए हैं। हां, अंदर का लुक बदल गया है, नल-टॉयलेट की सुविधा और बिजली की व्यवस्था कर दी गई है। सर्क आइलैंड 5.4 स्क्वायर किलोमीटर का है। साल 2023 की जनगणना के हिसाब से इस आइलैंड पर 562 लोग रहते हैं। 1832 में कोर्ट ने इस जेल को बनाने का ऑर्डर दिया था, पर इसे पूरा होने में 24 साल लग गए क्योंकि किसी के पास भी इसे बनाने के लिए पैसे नहीं थे। अंदर अब बीच से एरिया को बांट दिया गया है, जिससे दो कमरे निकल आए हैं। एक कमरा 6 बाय 6 फीट का है जबकि दूसरा 6 बाय 8 फीट का है। दोनों कमरों में लकड़ी के पतले बिस्तर हैं। इस जेल में सबसे ज्यादा 2 से 3 दिन ही कैदी को रखा जा सकता है। हालांकि, इस आइलैंड पर कोई बड़ा अपराध नहीं होता है। इस वजह से आइलैंड पर सिर्फ 2 ही पुलिसकर्मी हैं इस आइलैंड पर रह चुके कुछ लोगों का दावा है कि यहां के कई लोगों के ऊपर अपराधिक मामले हैं, जिनमें शराब के नशे में ड्राइव करना या अन्य कुछ मामले, पर संसाधनों की कमी की वजह से उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी है। इस वजह से आइलैंड पर भले ही जेल है, पर उसका इस्तेमाल बहुत ज्यादा नहीं किया जाता है।

भाजपा का एकमात्र मकसद सत्ता हासिल करना : प्रियंका

» बोलीं- मोदी ने हिमाचल में कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए हरसंभव किए प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए धन बल का इस्तेमाल कर हरसंभव प्रयास किए। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं का एकमात्र मकसद किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करना है और वे अपने इस मकसद को पूरा करने के लिए भ्रष्ट आचरण करते हैं, धन बल का इस्तेमाल करते हैं, विधायकों को रिश्वत देते हैं और भगवान के नाम पर लोगों को गुमराह करते हैं।

कांग्रेस महासचिव ने रैली में मौजूद लोगों की भीड़ से सवाल किया कि क्या वे ऐसे नेता को पसंद करेंगे? कांगड़ा जिले में एक और रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने हिमाचल में फरवरी-मार्च में हुए राजनीतिक उथल-पुथल का जिक्र किया और आरोप लगाया कि भाजपा ने (कांग्रेस के) प्रत्येक (बागी) विधायक को 100 करोड़ रुपए दिए थे। प्रियंका ने कहा कि पिछले दो साल में, हिमाचल में दो बड़ी घटनाएं हुईं जिसने कांग्रेस और भाजपा का असली चेहरा प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा, पिछले साल मानसून की सबसे भयावह आपदा आई थी, जब कांग्रेस का हर नेता और कार्यकर्ता जमीन पर था, जबकि भाजपा कहीं नजर नहीं आ रही थी। दूसरी घटना, भाजपा द्वारा पैदा की गई राजनीतिक उथल-पुथल थी, जिसने चुनी हुई सरकार को गिराने की कोशिश की...विधायकों को 100-100 करोड़ रुपए दिए गए, रात में चोरों की तरह छिपकर चंडीगढ़ के एक होटल में ले जाया गया।

भाजपा 10 साल में दुनिया की सबसे अमीर पार्टी कैसे बनी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस 55 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद सबसे अमीर पार्टी नही बन सकी, वही दूसरी ओर, भाजपा मात्र 10 साल में दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई। प्रियंका ने कहा कि एक रिपोर्ट मे दावा किया गया है कि भाजपा ने पिछले एक या दो साल में 60,000 करोड़ रुपए खर्च किए। प्रधानमंत्री मोदी पर अपने करोड़पति दोस्तों को कोयला खदान, बंदरगाह और हवाई अड्डे जैसी राष्ट्रीय संपत्तियां बांटने का आरोप लगाते हुए प्रियंका ने कहा कि यह पैसा जुटाने के लिए किया जा रहा है, जिसकी जरूरत भाजपा को विधायकों की खरीद फरोख्त कर सरकारें गिराने और टेलीविजन चैनल चलाने के लिए पड़ती है। यह दावा करते हुए कि केंद्र की सभी नीतियो और योजनाओं का उद्देश्य अमीरों को लाभ पहुंचाना है, उन्होंने आरोप लगाया कि अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना रक्षा क्षेत्र मे करोड़पतियों के हस्तक्षेप का मार्ग प्रशस्त करने के लिए लाई गई।

हिमाचल में पर्यटक की तरह आते हैं मोदी

मोदी पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि वह यहां एक पर्यटक की तरह आते हैं, तस्वीरें खीचते है और वीडियो ऑनलाइन पोस्ट करते है, जिसकी पृष्ठभूमि में बज रहे चंबा कितनी दूर गाने के साथ वह मंडी की खूबसूरती को कैद करते हैं। उन्होंने दावा किया इस गाने से सच्चाई का पता चलता है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी को लोगों की दुर्दशा की कोई चिंता नही है। उन्होंने वादा किया कि केंद्र की सत्ता में आने पर कांग्रेस अग्निपथ योजना को खत्म कर देगी, किसानों को एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) सुनिश्चित करने के लिए एक कानून लाएगी, किसानों को ऋण देने के लिए स्थाई आयोग का गठन करेगी और 25 लाख रुपए तक मुफ्त चिकित्सा बीमा मुहैया करेगी।

फर्जी राष्ट्रवाद पर अमल कर रही बीजेपी : खरगे

» बोले- प्रधानमंत्री मेकइन इंडिया पर कभी बात नहीं करते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अर्थव्यवस्था की स्थिति, निर्यात, बढ़ते व्यापार घाटे तथा मेक इन इंडिया कार्यक्रम को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह चीन को अपना सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाकर फर्जी राष्ट्रवाद पर अमल कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलसूत्र, मटन, मछली, मुगल और मुजरा के बारे में बोलते हैं, लेकिन मेक इन इंडिया के बारे में बात नहीं करते।

प्रधानमंत्री अपने कई चुनावी भाषणों में अर्थव्यवस्था पर एक भी शब्द क्यों नहीं बोलते? इसका जवाब है- सरकार की घोर विफलता। उन्होंने आरोप लगाया कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम फ्लॉप हो गया है, पीएलआई योजना लड़खड़ा गई है और निर्यात में भारी गिरावट आई है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार और भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल के बीच तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 के दौरान विनिर्माण वृद्धि 7.85 प्रतिशत थी, जबकि मोदी सरकार में 2014 से 2022 तक यह 6.0 प्रतिशत थी। मलिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया, 56 इंच की छाती ठोकने, ऐप-बैन और फर्जी राष्ट्रवाद के बावजूद, मोदी जी ने यह सुनिश्चित किया कि चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बने।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा सीटें भाजपा को मिलेंगी : फडणवीस

» राउत के दावे को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा किमहायुति गठबंधन में शामिल सभी तीनों दल विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर मिलकर फैसला करेंगे, हालांकि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते भाजपा को निश्चित रूप से सबसे अधिक सीट मिलेंगी। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में भाजपा के अलावा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली (राकांपा शामिल हैं।

फडणवीस ने कहा, महायुति के तीनों दलों के नेता विधानसभा चुनाव के लिए एक उचित सीट-बंटवारे का फॉर्मूला तय करने के लिए बैठक करेंगे और उसी के अनुसार सीटें आवंटित की जाएंगी। जाहिर है सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण भाजपा को सबसे ज्यादा सीट मिलेंगी। हालांकि, सीट बंटवारे में हमारे सहयोगियों को

उचित सम्मान दिया जाएगा। वह राकांपा के नेता छगन भुजबल की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। फड़णवीस ने यूबीटी नेता संजय राउत के इस दावे को खारिज कर दिया कि उन्होंने मोदी और शाह ने लोकसभा चुनाव में नितिन गडकरी को हरवाने का प्रयास किया है। भाजपा नेता ने कहा, मैं उस व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो गांजा पीकर अखबार में लेख लिखता है।

मंत्री से कम नहीं है बिभव का रूतबा: स्वाति

» बोलीं- आप के पास है ट्रोलर्स की मशीनरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिभव कुमार के वकील की ओर से दी गई दलीलों के बाद स्वाति मालीवाल ने बिभव और केजरीवाल पर सिल-सिलेवार कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ये कोई मामूली पीए नहीं है, इसे जो सुविधाएं मिलती हैं, वो मंत्रियों को भी नहीं मिलती हैं। इनके पास ट्रोलर्स की बड़ी मशीनरी है। पार्टी के सभी नेताओं को उनका साथ नहीं देने की चेतावनी दी है, ताकि वह अपनी शिकायत वापस ले सकें। उन्होंने कहा कि उनका परिवार ट्रॉमा में जी रहा है।

ये आदमी सामान्य नहीं है। स्वाति ने अदालत में कहा कि इस घटना के बाद उन्हें बार-बार एजेंट कहा जा रहा है। उनके खिलाफ लगातार प्रेस वार्ता की गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें बुरी तरह पीटा गया है। शिकायत करने पर पार्टी ने प्रेस

वार्ता कर भाजपा का एजेंट घोषित कर दिया है। जिनके घर में मुझे मारा गया, वह आरोपी को लेकर कभी लखनऊ, तो कभी कहीं और लेकर जा रहे थे। इनके पास बहुत बड़ी ट्रोलर्स की मशीनरी है। उन्होंने पूरी मशीनरी मेरे पीछे झोंक दी है। वहीं आप के वकील ने अदालत में कहा कि चलिए जो वह कह रही हैं उसे सच भी मान लिया जाए, तो उनके पास यह दिखाने के लिए कुछ सबूत तो होने चाहिए कि आरोपी का इरादा गैर इरादतन हत्या करने का था। क्या मुख्यमंत्री आवास पर इतनी सुरक्षा के रहते कोई इस तरह का अपराध करेगा। करीब 3-4 दिन के अंतराल के बाद मेडिकल जांच हुई। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस के बनाए हुए काफी मामले देखे, लेकिन ऐसा केस नहीं देखा। यहां पुलिस की ओर से गैर इरादतन हत्या का मामला कैसे बनाया जा सकता है उनका तर्क है कि बिभव वहां मौजूद थे, क्योंकि स्वाति मालीवाल ने उन्हें बुलाया था।

सांसद का मतलब ये नहीं जो मर्जी आए वो करें : आप के वकील

बिभव के वकील ने कहा कि सांसद बनने से क्या ये लाइसेंस मिल जाता है, वह जो मर्जी चाहे करे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी तरफ से उकसाया गया कि एक सांसद को बाहर इंतजार कराओगे क्या। बिभव के वकील ने सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस ने सुरक्षा कर्मचारियों की ओर से बनाई गई रिपोर्ट की अनदेखी क्यों की है। ये कैसी जांच है। वह परेशानी पैदा करने के पूर्व निर्धारित इरादे से आई थीं। वह बार-बार आती रहती हैं, इसका मतलब ये तो नहीं है कि उन्हें अतिक्रमण करने का अधिकार मिल गया है।

हरमनप्रीत की हैट्रिक से भारत का कमाल

» प्रो हॉकी लीग : अर्जेन्टीना को 5-4 से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एंटवर्प। बेल्जियम के एंटवर्प में जारी एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को 5-4 से हरा दिया। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से भारत ने ये जीत हासिल की। हरमनप्रीत (29वें, 50वें और 52वें मिनट) के अलावा अराइजीत सिंह हुंदल (सातवें मिनट) और गुरजंत सिंह (18वें मिनट) ने भी भारत के लिए गोल किए। वहीं अर्जेंटीना के लिए फेडेरिको मोंजा (तीसरे मिनट), निकोलस कीनन (24वेंमिनट), तादेओ मारुची (54वें मिनट) और लुकास मार्टिनेज (57वें मिनट) ने एक-एक गोल दागा।

भारत ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले क्वार्टर में अधिकांश समय गेंद पर कब्जा बनाए रखा और सटीक पास देकर अर्जेंटीना के सर्कल में घुसे। हालांकि पहला गोल अर्जेंटीना ने दागा जब फेडेरिको ने करीब से गोल करके टीम को 1-0 से आगे किया। हालांकि भारत ने क्वार्टर में एक मिनट शेष रहते हुए पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और हरमनप्रीत ने भारत को 3-2 से आगे कर दिया। तीसरा क्वार्टर में दोनों टीमों ने तेजतर्रार हॉकी का प्रदर्शन किया। भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसे गोल में नहीं बदल सका क्योंकि हरमनप्रीत के शॉट को अर्जेंटीना के गोलकीपर ने रोक दिया।

भारत ने जल्द ही बराबरी हासिल की

भारत ने जल्द ही बराबरी हासिल कर ली जब अराइजीत ने शानदार मैदानी गोल किया। भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका और पहला क्वार्टर 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की। गुरजंत ने बेहतरीन मैदानी गोल दागकर टीम को 2-1 से बढ़त दिलाई। कीनन ने इसके बाद भारतीय रक्षापंक्ति की चूक का फायदा उठाते हुए सर्कल में प्रवेश किया और गेंद को गोल में पहुंचाकर स्कोर 2-2 कर दिया।

ज्येष्ठ माह का पहला बड़ा मंगल आज, मंदिरों में सुबह से बजरंगबली के जयकारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बजरंग बली को समर्पित ज्येष्ठ माह का पहला बड़ा मंगल आज है। राम भक्त हनुमान के मंदिर रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा रहे हैं। खासकर लखनऊ में इसका विशेष महत्व है और यह भव्य पर्व के रूप में मनाया भी जाता है। सोमवार रात 12 बजे से ही दर्शन पूजन का सिलसिला शुरू हो गया। हनुमान सेतु मंदिर में रात 12 बजे बजरंग बली की आरती हुई और बड़ी संख्या में भक्तों ने अपने आराध्य देव के दर्शन किए।

वहीं अलीगंज का नया हनुमान मंदिर तो दोपहर तीन बजे से ही खुल गया। झूले लगने शुरू हो गए थे। मंदिर परिसर में भक्तों ने डेरा डालना शुरू कर दिया था। रात 12 बजे दंडवत करते भक्तों ने महावीर के दरबार में हाजिरी लगाई।

हनुमान सेतु मंदिर की साज-सजावट पूरी हो गई और सोमवार रात 12 बजे ही मंदिर को भक्तों के लिए खोल दिया गया। मंगलवार को रात 12 बजे तक बाबा के दर्शन होंगे। मंदिर प्रबंधन के पदाधिकारी चंद्रकांत द्विवेदी का कहना है कि प्रवेश परिक्रमा पथ से होगा। हनुमान सेतु मंदिर आने वालों के लिए बीरबल साहनी मार्ग स्थित उत्तरायणी मेला स्थल, कॉल्विन ताल्लुकेदार कॉलेज के गेट नंबर 2 पर चार पहिया वाहन के लिए और परिसर में स्वीमिंग पुल के पास दोपहिया वाहन खड़े करने की व्यवस्था है।

मोदी के लिए काशी जीतना आसान नहीं : अजय राय

» सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा का सफाया कर देगा

» आज राहुल व अखिलेश यादव भरेंगे हुंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ इंडिया ब्लॉक का चेहरा अजय राय लगातार अपने निर्वाचन क्षेत्र में ग्राउंड जीरो पर सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा समेत गठबंधन के शीर्ष नेता पहले ही उनके लिए प्रचार कर चुके हैं। राहुल गांधी के 28 मई को वाराणसी जाने की उम्मीद है।

कांग्रेस नेता का दावा है कि मोदी के लिए चीजें अब आसान नहीं हैं। उन्हें यह भी उम्मीद है कि सपा-कांग्रेस गठबंधन उत्तर प्रदेश में भाजपा का सफाया कर देगा। अजय राय का दावा है कि पहले चरण से ही बीजेपी को कड़ा संदेश मिला। हर गुजरते चरण के साथ, विपक्षी इंडिया गुट मजबूत होता गया। उन्होंने कहा कि मैं तीन बार भाजपा विधायक रहा हूं और चीजों को गहराई से जानता हूं। अटलजी के समय में कैडर का सम्मान होता था, लेकिन अब नहीं। लगातार मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने और 2014 और 2019 में मिले हार पर उन्होंने कहा कि जनता भोली होती है। 2014 में मतदाताओं को लगा कि मोदी सुपरमैन हैं और उनकी किस्मत बदल देंगे। 2019 में, यह पुलवामा घटना का दुरुपयोग था जिसने मोदी को चुनाव जीतने में मदद की।

चुनाव दिल जीतकर जीते जाते हैं, पैसों से नहीं

राय ने कहा कि चुनाव दिल जीतकर जीते जाते हैं, पैसों से नहीं। इस बार वोट जुटाने के लिए पैसा नहीं चलेगा। युवा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं, लेकिन भाजपा के लिए यह पहले व्यवसाय है। उन्होंने विश्वास जताया कि उन्हें इस बार जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों में मोदी कभी भी वाराणसी में एक रात के लिए नहीं रुके। लेकिन इस साल वो 13 मई की रात और 21 मई को भी रुके। वजह ये है कि हालात बदतर होते जा रहे हैं। रोड शो भी इसका सबूत हैं।

मोदी के रोड शो में आमजन नहीं आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जुटे

मोदी के रोड शो में सड़क किनारे कतार में खड़े हजारों लोगों में आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सिविल ड्रेस में महिला पुलिसकर्मी, शिक्षक और लगभग दो दर्जन अन्य जिलों से आए लोग शामिल थे। प्रियंका गांधी और डिंपल यादव (25 मई को) के साथ हमारे रोड शो में, सड़क पर ताकत 10 गुना अधिक थी, खासकर सभी स्थानीय लोगों की। उत्साह के कारण ही हमारा रोड शो छोटा करना पड़ा। वे 18 मुख्यमंत्रियों को लाने की योजना बना रहे हैं। ये सब इसलिए क्योंकि हालात बीजेपी के लिए अनुकूल नहीं हैं।

रणजीत हत्याकांड में गुरमीत राम रहीम दोषमुक्त करार

» हाईकोर्ट का फैसला, 22 साल पहले मारी गई थीं गोलियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। बहुचर्चित रणजीत सिंह हत्याकांड मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने राम रहीम को बड़ी राहत देते हुए उसे दोष मुक्त करार दिया है।

इस मामले में सीबीआई की अदालत ने राम रहीम को दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई थी। उम्र कैद की सजा के खिलाफ राम रहीम ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। हाई कोर्ट ने उसकी अपील पर मंगलवार को फैसला सुनाते हुए सीबीआई की अदालत के फैसले को रद्द कर दिया है। इस मामले में अभी विस्तृत आदेश आना बाकी है।

ज्ञात हो कि एक गुमनाम साध्वी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को एक चिट्ठी लिखी थी। चिट्ठी में राम रहीम की जांच की मांग की गई थी।

डेरे का प्रबंधक था रणजीत सिंह

रणजीत सिंह सिरसा डेरे का प्रबंधक था। एक शक की वजह से 22 साल पहले रणजीत सिंह की हत्या कर दी गई थी। रणजीत सिंह हरियाणा के कुरुक्षेत्र के रहने वाले थे। 10 जुलाई 2002 को उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच से असंतुष्ट रणजीत सिंह के बेटे जगसीर सिंह ने जनवरी 2003 में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की थी। हाईकोर्ट ने बेटे के पक्ष में फैसला सुनाकर केस की जांच सीबीआई को सौंपी थी।

प्रदेश को झुलसा रही गर्मी, 48 के पार पहुंचा पारा, लू से छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नौतपा के तीसरे दिन मई के महीने में प्रदेश में झांसी सबसे गर्म रहा, यहां का पारा 48.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां इतना पारा 132 साल पहले दर्ज किया गया था। वहीं, आगरा में गर्मी ने पिछले 26 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

यहां का पारा सोमवार को 47.8 डिग्री सेल्सियस रहा जो प्रदेश में दूसरा सबसे गर्म शहर था। इससे पहले 27 मई 1998 में आगरा का अधिकतम तापमान 48.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था। 47 डिग्री के साथ मथुरा-वृंदावन व एटा दूसरे स्थान पर रहे। तपते बुदेलखंड में भीषण गर्मी की चपेट में आकर छह लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन चित्रकूट, दो महोबा और एक-एक हमीरपुर और औरैया के हैं।

आग और पानी बनी मौत, 17 से ज्यादा ने गंवाई जान

मिजोरम में चक्रवात के कहर से पत्थर खदान ढहने से 10 लोगों की मौत, पुलिस का तलाशी अभियान जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आइजोल। मिजोरम में एक बड़ा हादसा हुआ है। मिजोरम में चक्रवात के कहर से पत्थर खदान ढहने से 10 लोगों की मौत हो गयी है और कई अन्य घायल है। पुलिस ने बताया कि मिजोरम के आइजोल जिले में मंगलवार सुबह भारी बारिश के बीच एक पत्थर की खदान ढह जाने से दस लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हो गए।

पुलिस ने कहा कि यह घटना चक्रवात रेमल के पूरे राज्य में कहर बरपाने के बाद आइजोल शहर के दक्षिणी बाहरी इलाके में मेल्थम और ह्लिमेन के बीच एक इलाके में सुबह 6 बजे के आसपास हुई। मृतकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हालांकि, कई अन्य लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि लगातार बारिश के कारण बचाव कार्य प्रभावित हो रहा है। नवीनतम जानकारी के अनुसार, मारे गए 10 श्रमिकों में से तीन गैर-मिज़ोस हैं। तलाशी अभियान के बीच, घटनास्थल से बचाए गए एक बच्चे को तुरंत आगे के इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। कई अन्य श्रमिकों, कथित तौर पर सभी गैर-आदिवासी, के मारे जाने की आशंका है क्योंकि फंसे हुए श्रमिकों को बचाने का अभियान अभी भी जारी है।

केरल में नाव पलटने से एक मछुआरे की मौत

केरल के तिरुवनंतपुरम में मुथालापोज्ही के तट पर मंगलवार को समुद्र में ऊंची ज्वारीय लहरों के कारण नाव पलटने से एक मछुआरे की मौत हो गई। अब्राहम (57) एंचूथेंगू के लाइटहाउस इलाके का निवासी था। पुलिस के अनुसार, यह घटना आज तड़के हुई जब अब्राहम और तीन अन्य मछुआरे मछली पकड़कर समुद्र के किनारे पर लौट रहे थे। उसने बताया कि उन्हें पास के तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन अब्राहम की जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने बताया कि अन्य का सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मुंबई में आग लगने से छह लोग झुलसे

मुंबई। धारावी झुग्गी-बस्ती इलाके में स्थित एक औद्योगिक परिसर में मंगलवार को आग लगने से कम से कम छह लोग झुलस गए। स्थानीय निकाय अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों के मुताबिक, घायलों को पास के सायन अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन लोगों की हालत स्थिर बताई जा रही है।नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि धारावी इलाके के काला किला में स्थित अशोक मिल परिसर में तीन मंजिला और चार मंजिला इमारतों में तड़के करीब पौने चार बजे आग लग गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।